N–335

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय .गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः.परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ. अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब .अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स .लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द .अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई .दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. पण्यस्त्री का अर्थ क्या है ?
2. यक्ष को शाप किसने दिया ?
3. यक्षपत्नी किस वर्ण की है ?
4. अलकापुरी की स्त्रियों को प्रसाधन कौन देता है ?
5. 'नैषधीयचरित' में किस रीति की प्रधानता है ?
6. नैषध में कितने सर्ग हैं ?
7. 'कुमारसम्भव' का नायक कौन है ?
8. 'किंपुरुषाग्ड.ना' का अर्थ लिखिए।

खण्ड–ब

9. आम्रकूट पर्वत का वर्णन कीजिए।

10. अलकापुरी का परिचय दीजिए।

11. राजा नल के मुखमाधुर्य का वर्णन कीजिए।

12. 'त्यजन्ति न त्वेकमयाचित व्रतम्' का भाव स्पष्ट कीजिए।

13. हिमालय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

14. 'कुमारसम्भव' की कथा के मूल स्रोत पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रत्नच्छाया व्यतिकर इव प्रेक्ष्यमेतत्पुरस्तात्,
बल्मीकाग्रात्प्रभवति धनुः खण्डमाखण्डलस्य।
येन श्यामं वपुरतितरां कान्तिमापत्स्यते ते,
बर्हेणेव स्फुरितरुचिना गोपवेषस्य विष्णोः।।

16. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

तन्वीश्यामाशिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठी,
मध्ये क्षामाचकितहरिणी प्रेक्षणा निम्ननाभिः।
श्रोणीभारादलसगमना स्तोकनम्रा स्तनाभ्याम्,
या तंत्र स्याद् युवतिविषये सृष्टिराद्येव धातुः।।

17. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

रसैः कथा यस्य सुधावधीरिणी, नलः स भूजानिरभूद्गुणाद्भुतः।
सुवर्णदण्डैकसितातपत्रित, ज्वल्प्रतावलिकीर्त्तिमण्डलः।।

18. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कालक्रमेणाथ तयोः प्रवृत्तेः, स्वरूपयोग्ये सुरतप्रसंगे।
मनोरमं यौवनमुद्वन्त्या गर्भोऽभवद्भूधरराजपत्याः।।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'मेघदूत' की प्राकृतिक सुषमा का वर्णन कीजिए।
20. 'मेघदूत' में वर्णित नदियों का परिचय दीजिए।
21. राजा नल एवं हंस के संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।
22. 'कुमारसम्भव' के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवि' सूत्र की समीक्षा कीजिए।
24. महाकाव्य के लक्षण के परिप्रेक्ष्य में 'कुमारसम्भव' की समालोचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–336

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय .साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः.परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ. अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब .अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स .लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द .अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई .दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. काव्य के कितने भेद हैं ?
2. अभिधा शक्ति किस अर्थ को बताती है ?
3. 'काव्यप्रकाश' के रचनाकार कौन हैं ?
4. गौणी लक्षणा किस सम्बन्ध से होती है ?
5. 'नाट्यशास्त्र' की सृष्टि किसने की ?
6. विश्वनाथ किस सम्प्रदाय के आचार्य हैं ?
7. 'उत्साह' किस रस का स्थायीभाव है ?
8. ध्वनि सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य का नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. मम्मटानुसार काव्य–लक्षण लिखिए।
10. उत्तम काव्य किसे कहते हैं ?
11. शब्द–शक्तियाँ कितनी होती हैं ?
12. नान्दी का स्वरूप लिखिए।
13. ध्वनिवाद क्या है ?
14. औचित्य भेदों के नाम लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. लक्षणा के भेद स्पष्ट कीजिए।
16. काव्यहेतु से आप क्या समझते हैं ?
17. रसाभास तथा भावाभास का आशय स्पष्ट कीजिए।
18. शंकुक के अनुमितिवाद की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. ध्वनिवादी सिद्धान्त को समझाइए।
20. वाच्य और प्रतीयमान अर्थ का भेद स्पष्ट कीजिए।
21. नाट्य के प्रयोग एवं महत्व की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
22. काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. साहित्यशास्त्र के अलंकार सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
24. नाट्य की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रोय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय .नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः.परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ. अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब .अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स .लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द .अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई .दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. राक्षस किसे पाटलिपुत्र का राजा बनाना चाहता था ?
2. 'अत्यादरः' शंकनीयः' किसका कथन है ?
3. 'अथमरणमवश्यमेव जन्तोः' किसका कथन है ?
4. अहो मुग्धत्वमबलानां नाम किसका कथन है ?
5. 'मृच्छकटिकम्' के प्रथम अंक का क्या नाम है ?
6. वसन्तसेना के हाथी का क्या नाम था ?
7. रामायण में श्रमणा का वृत्त क्या है ?
8. नाट्यशास्त्र में प्रवृत्ति का सम्बन्ध किससे होता है ?

खण्ड–ब

9. नान्दी क्या है ? समझाइए।

10. 'कीदृशस्तृणानामग्निं सह विरोधः' सूत्र व्याख्या कीजिए।

11. अभिमन्यु की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. काव्य का नाम 'मृच्छकटिकम्' क्यों पड़ा ? समझाइए।

13. 'मूर्खस्य दिशः शून्याः सर्वं शून्यं दरिद्रस्य' इसका तात्पर्य समझाइए।

14. दशरूपक के मंगलाचरण की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. मलयकेतु का परिचय दीजिए।

16. अर्जुन ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?

17. वसन्तसेना का रात्रि में कौन पीछा करता है ? और क्यों ?

18. धीरोदात्त नायक का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. चाणक्य किस प्रकार से राक्षस को अपनी कूटनीति का शिकार बनाता है ?

20. 'वेणीसंहार' नाटक के प्रथम एवं द्वितीय अंक का कथासार लिखिए।

21. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु तथा काव्यात्मकता की समीक्षा कीजिए।

22. अर्थोपक्षेपकों का आशय स्पष्ट करते हुए इनके लक्षण एवं भेद स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. "मुद्राराक्षस नाटक राजनीति एवं कूटनीति का अद्भुत मिश्रण है।" उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

'वेणीसंहार' नाटक के कथानक का क्या आधार है ? इसे स्पष्ट कीजिए।

24. वसन्तसेना के चारित्रिक गुणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

नायकों के विभिन्न भेदों तथा उनके गुणों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

N–338

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत साहित्य) अंतिम

विषय .भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः.परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ. अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब .अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स .लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द .अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई .दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. वैदिक शिक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण किसे माना गया है ?
2. पुरुषार्थ चतुष्टय किसे कहते हैं ?
3. 'ईशावास्यमिदं सर्वं' यह किस उपनिषद् से लिया गया है ?
4. उपपुराणों की संख्या कितनी है ?
5. पुराण कितने होते हैं ?
6. किस सूक्त में चार वर्णों का उल्लेख है ?
7. विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ?
8. प्रदूषण रहित यातायात का सर्वश्रेष्ठ साधन क्या है ?

खण्ड–ब

9. 'धर्म' शब्द का अर्थ बताइए।
10. स्तुति और प्रार्थना में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
11. सभ्यता और संस्कृति में अन्तर बताइए।
12. आश्रम जीवन को संक्षेप में लिखिए।
13. शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?
14. पर्यावरण की परिभाषा लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. वैदिक धर्म और बौद्ध धर्म में अन्तर बताइए।
16. उपपुराण किसे कहते हैं ? नामोल्लेख कीजिए।
17. संस्कृत साहित्य में वर्णित आश्रम व्यवस्था की विशेषताओं को लिखिए।
18. पर्यावरणीय शिक्षा से क्या तात्पर्य है ?

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. भ्रमण धर्म के चार आर्य सत्य लिखिए।
20. पुराणों के रचनाकार एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
21. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
22. ध्वनि प्रदूषण से आप क्या समझते हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
24. प्राकृतिक एवं मानवकृत पर्यावरणीय संकटों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**